बच्चों के लिये ऑनलाईन ध‘मशास्त्र उपस्थित करता हे

गिर्जे मे झन्जट आयि

लेखकः Edward Hughes

दृशटान्तः Janie Forest

अनुकूलनः Ruth Klassen

अनुवादकः Usha Singh

उत्पादकः Bible for Children
www.M1914.org

©2010 Bible for Children, Inc.
अधिकारः आपको इस कहानी की कोपी करने या छापने का अधिकार हे, लेकिन आप इसको बेच नहीं सकते हैं।

पचास दिन के बाद जब खुदान्द का बेटा मुर्दे मे से जी उढा पवित्र आत्मा उनके शिष्यो के अन्दर आयि। हालाकि, चेलो को यह नही समझ मे आया की पिता, पुत्र (यीशु मसीह) तथा पवित्र आत्मा एक है, वह बहुत खुश थे की खुदावन्द उनके साथ था।

खुदावन्द ने बहुत से अदभुत काम किये जिस्से चेलो को सहायता मिली कि वह दुसरो को यीशु मसीह के विषय मे बता सके।

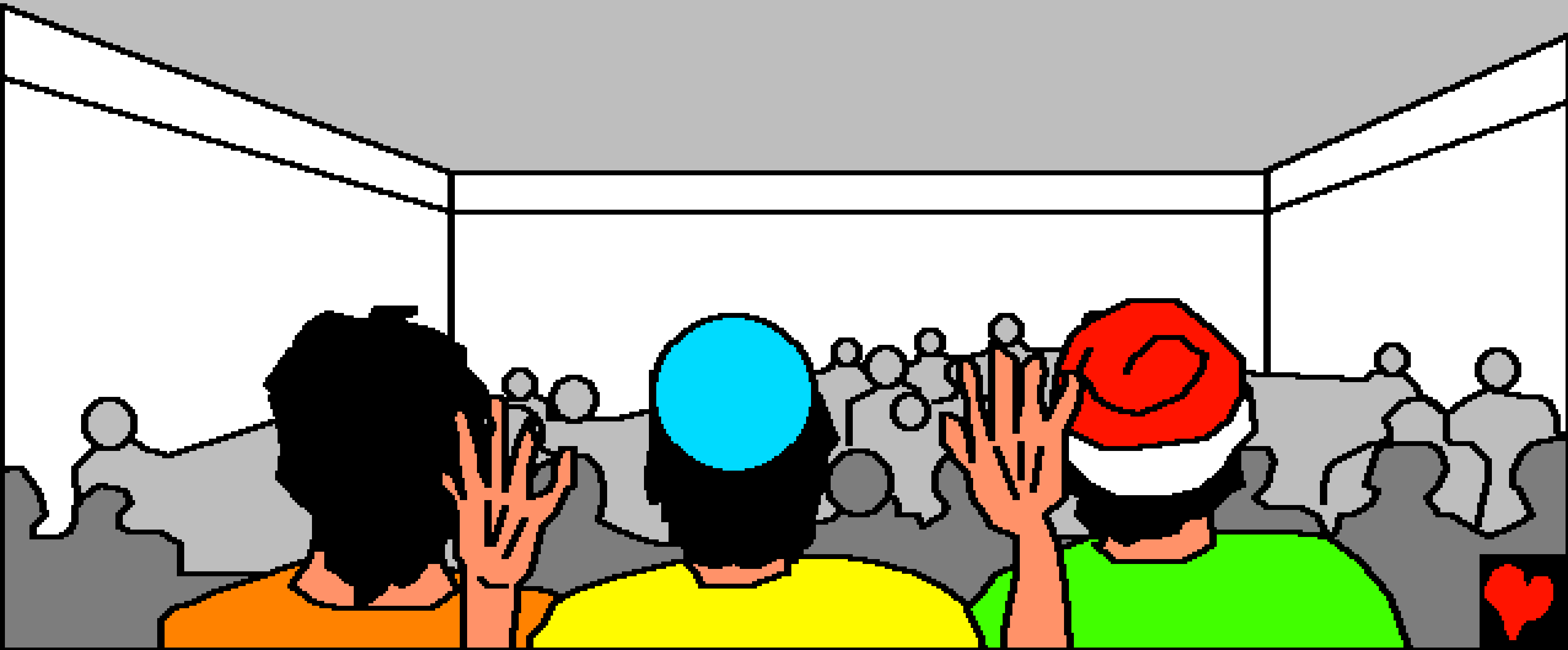

जितने लोगो ने यीशु मसीह
पर विशवास किया, उनहोने
हर एक चीज़ को बराबर
के हिस्सो मे बाट
लिया, ...

... जिस्से गरीबो की देखबाल हुई। किन्तु, एक द्न्पति, जिनका नाम हनानियास तथा सफीरा था उनहोने बेईमानी करी।

उन्होने कुछ भुमी बेची ओर
बहाना किया कि वह सारा
धन चेलो के पास लाये,
लेकिन, उन्होने कुछ
धन अपने लिये
छिपा लिया।

“क्यों शैतान ने तेरे मन मे यह बात डाली कि तु पवित्र आत्मा से झूट बोले . . . ?” पतरस ने हनन्याह से पूछा। तूने मनुष्यों से नहीं, परन्तु परमेशवर से झूट बोला।

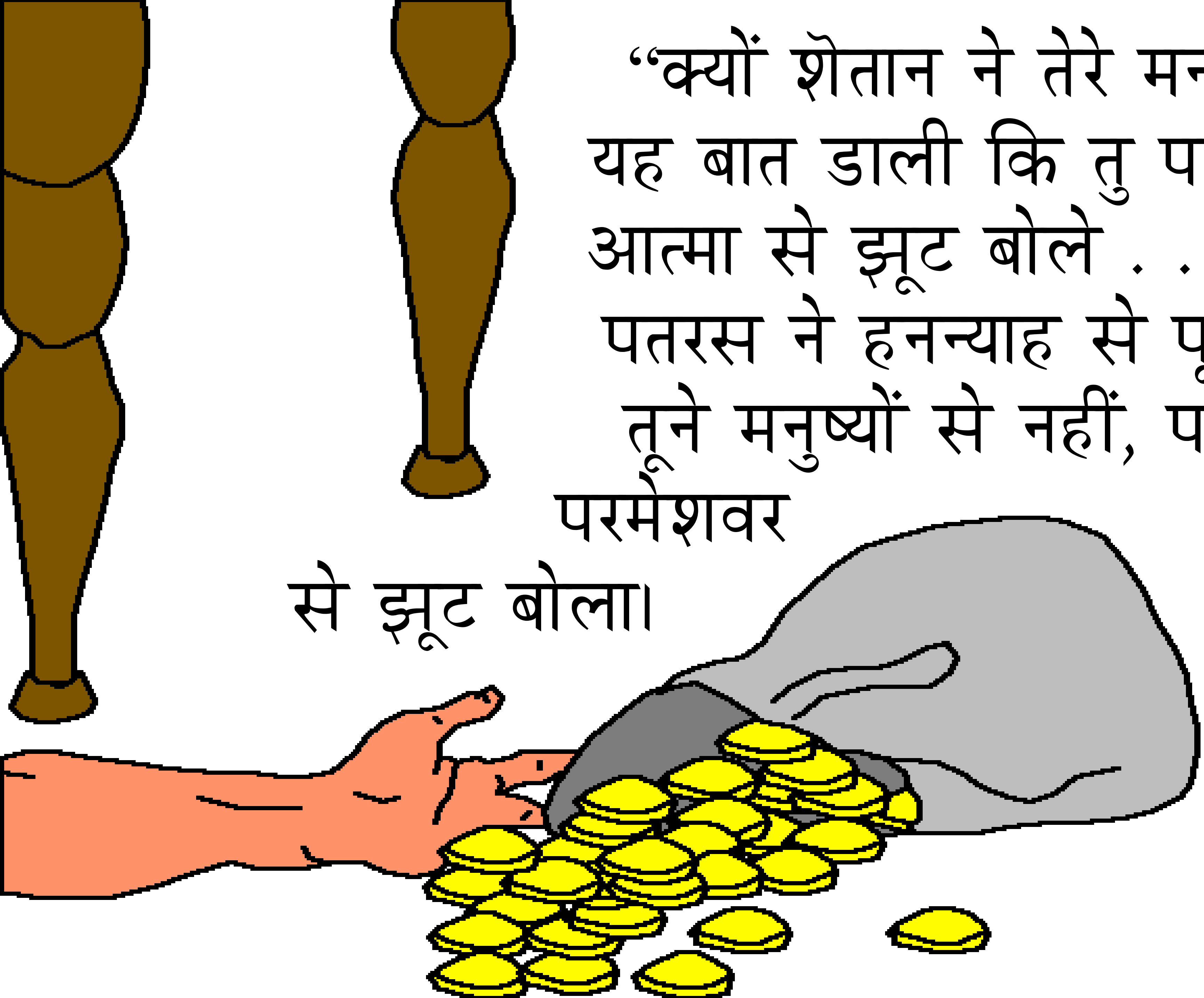

तब हनन्याह गिर पड़ा, और प्राण छोड़ दिए, फिर जवानो ने उसकी अर्थी बनाई और बाहर ले जाकर गाड़ दिया।

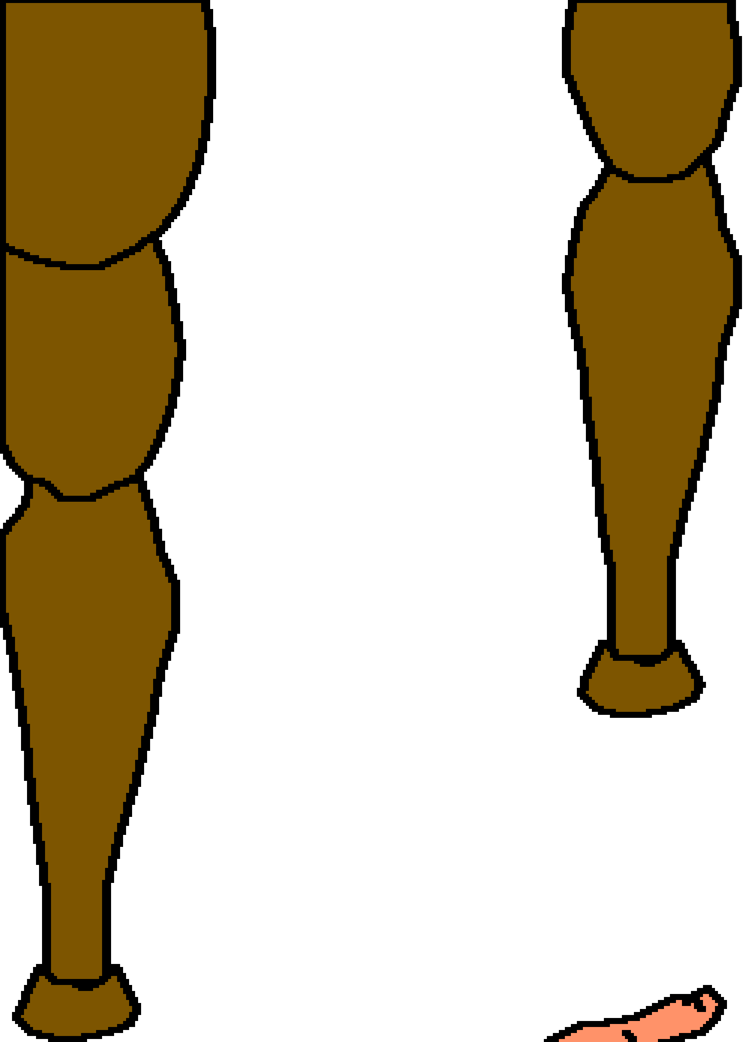

थोड़े समय के बाद, सफीरा अन्दर आयी, उसको नहीं पता था की उसका पती मर चुका है।

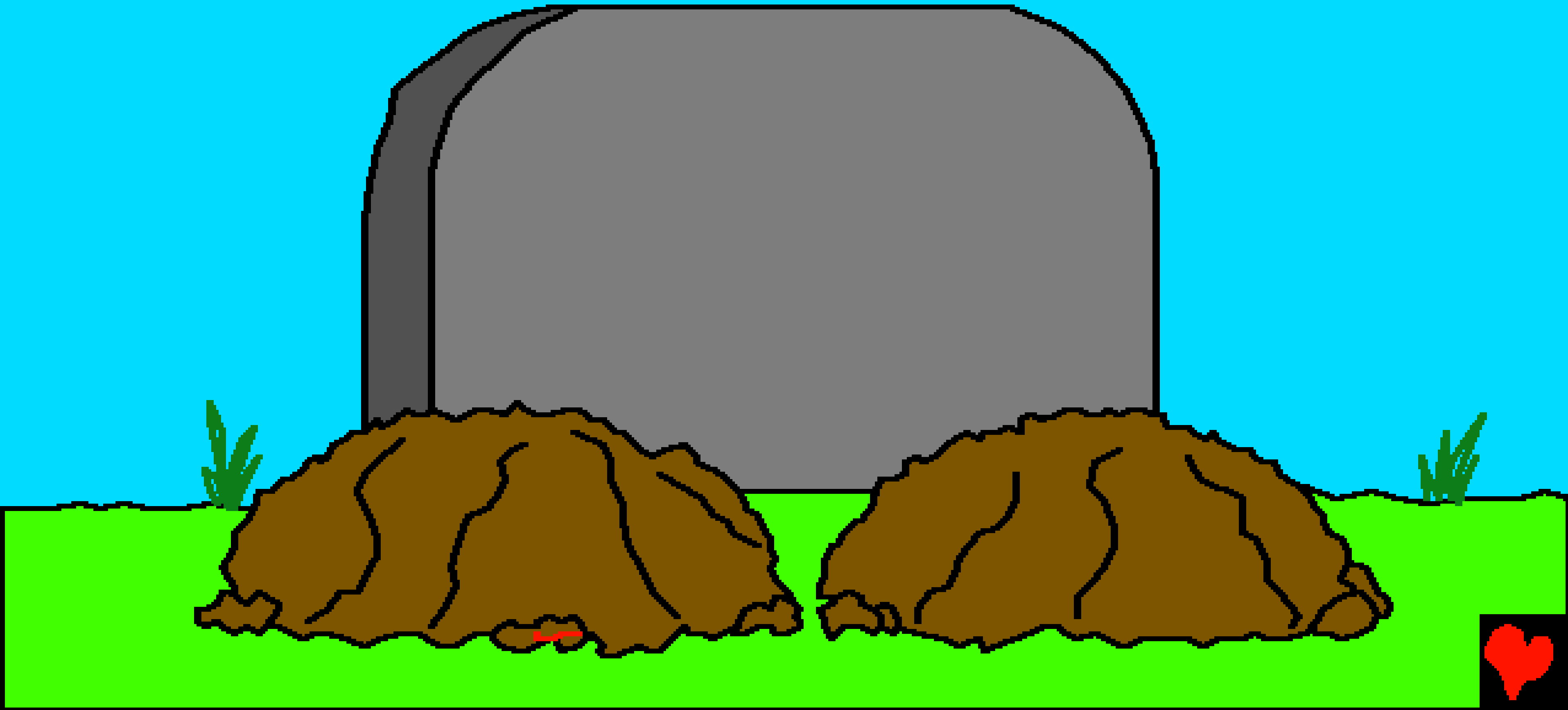

उसने भी धन के विषय मे झूठ बोला–और उसके साथ भी वही बात हुयी। और जिन्होने इस बात को सुना उनके ऊपर बड़ा डर छा गया।

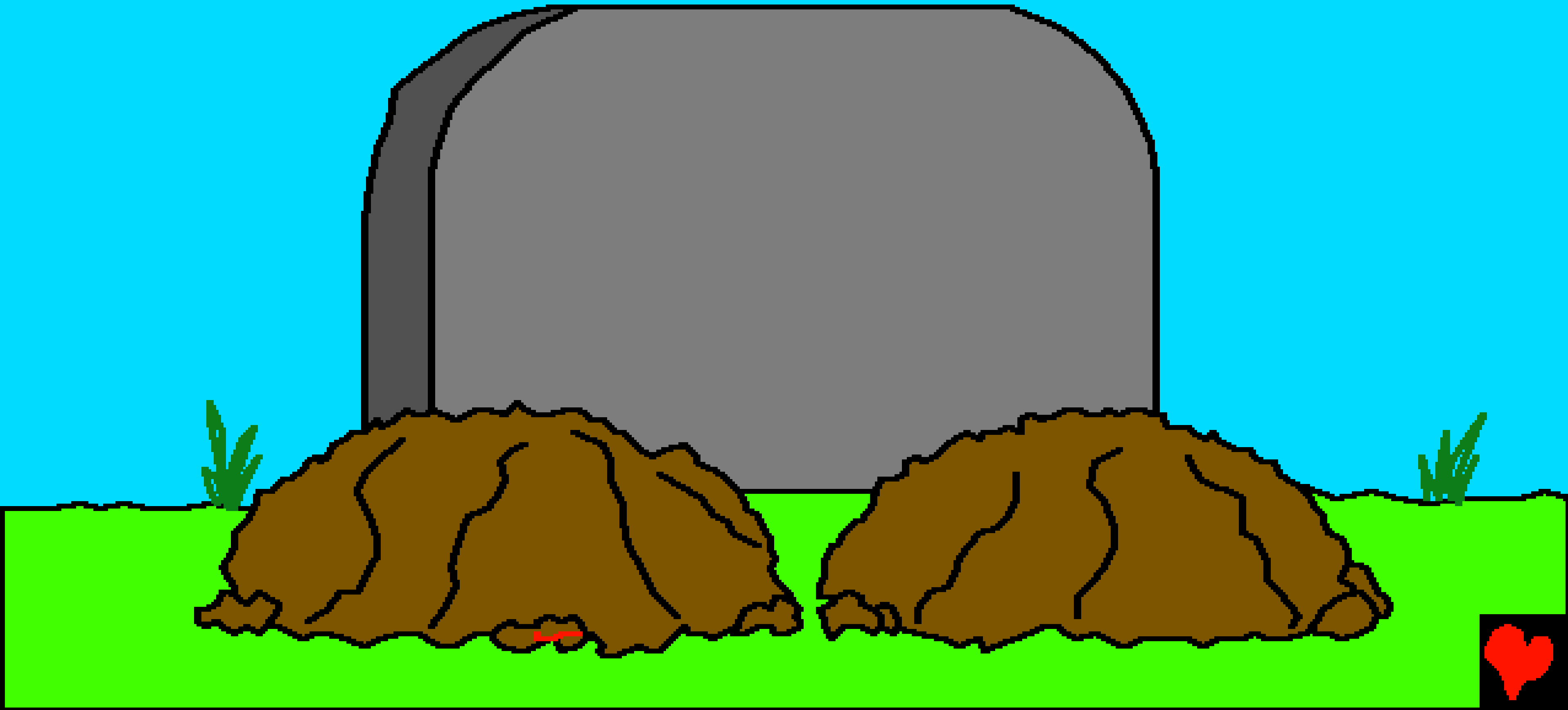

पिता (पवित्र आत्मा), ने प्रेरितों के द्वारा बहुत से अदभुत काम किये।

उदाहरण के लिये, जब पतरस की परछायी बिमार लोगों पर पड़ी, वह सब सवस्थ हो गये।

इस समय बहुत
चमत्कार काम
हो रषे थे,
जिस्से परमेशवर
की उपस्थिति
प्रकट हूई। बहुत

लोगों ने यीशू मसीह
पर विशवास किया।

इस बात से महायाजक बहुत क्रोधित हुये। उसने प्रेरितों को
बन्दीग्रह मे बन्द करवा दिया।

किन्तु रात को
प्रभु के एक
स्वर्गदूत ने
बन्दीग्रह के द्वार
को खोल दिया
और उन्हे बाहर
लाकर कहा, कि
“जाओ मन्दिर मे
खड़े होकर, इस जीवन की
सब बातें लोगों को सुनाओ।”

अन्त मे जब वह उसे मिल गये, महायाजक ने प्रेरितों को डांटा, और कहा, “क्या हम ने तुम्हें चिताकर हिदायत नही दी थी, कि तुम इस नाम से उपदेश न करना?”

“प्रेरितों और पतरस ने उत्तर दिया, कि हमे मनुष्यों की हिदायत से बढ़कर परमेशवर की हिदायत का पालन करना ही कर्तव्य कर्म है।”

महायाजक इस पर बहुत क्रोधित हुआ, और वह प्रेरितों को मार डालना चाहता था। किन्तु, उसने उन्हें हिदायत देकर पिट्‌वाया और
छोड़ दिया।

हालाकीं वह काफी दुख मे थे, प्रेरितों ने परमेशवर की बात मानी, और यीशु मसीह के बारे मे उपदेश देते रहे।

एक दिन स्तिफनुस नाम का आदमी गिरफतार हा गया। स्तिफनुस खुदावन्द यीशु मसीह से बहुत प्रेम करता था।

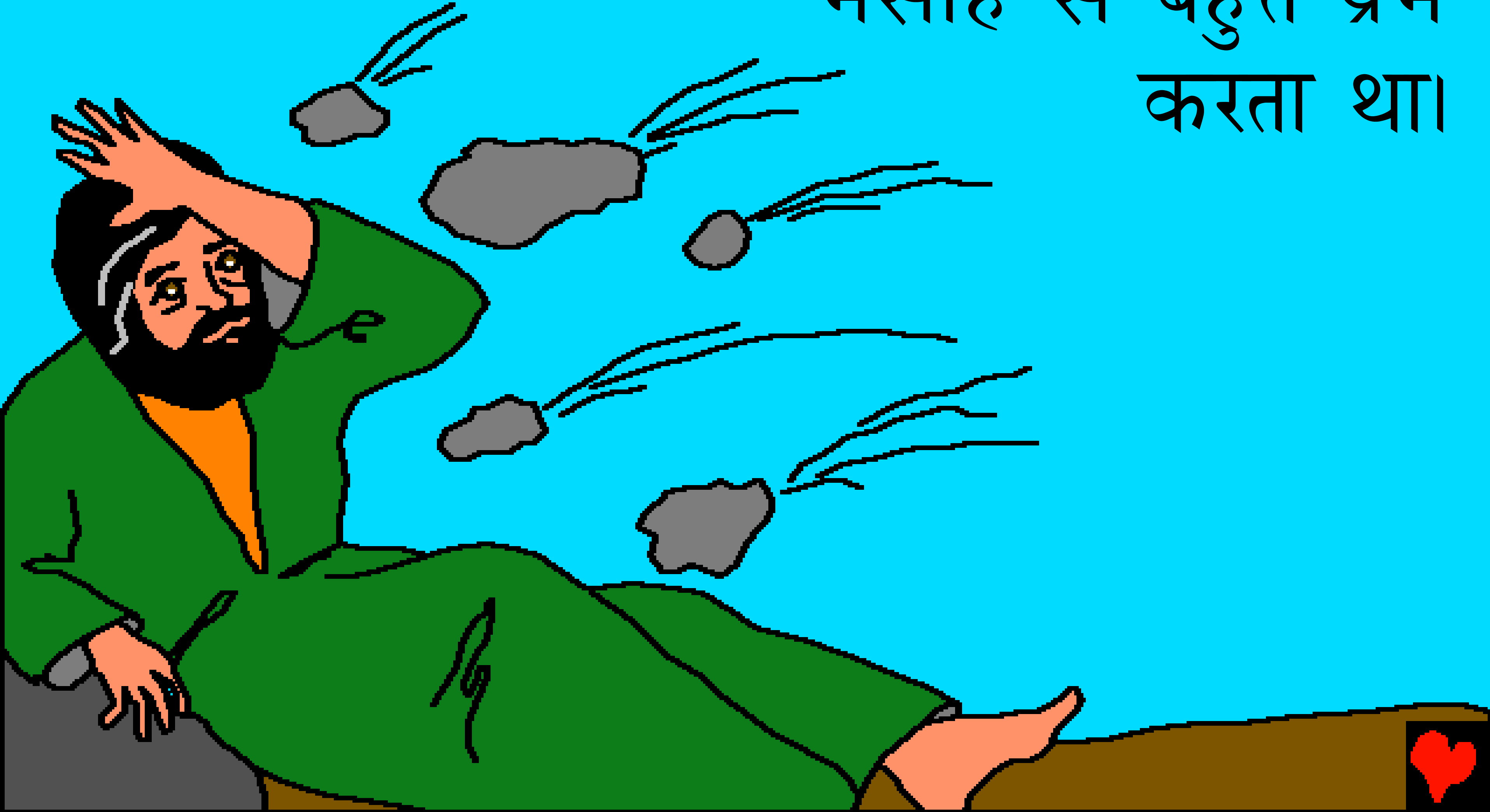

पवित्र आत्मा उसको इस्तेमाल कर रही
थी,कि वह दूसरो को यीशु मसीह के बारे
मे बताये। कुछ लोगों ने झूट
बोला, और कहा,
स्तिफनुस
खुदावन्द के
विरोध मे
बोल रहा है।

बाद मे झूटी जांच–पड़ताल करके,
स्तिफनुस को ढेलों से मार डाला,
क्योकि वह यीशु
मसीह पर
विशवास
करता था।

प्राण छोड़ने के पहले, स्तिफनुस,
पवित्र आत्मा से
परिपूर्णा होकर,
स्वर्ग की ओर
देखा और
परमेशवर की
महिमा को और
यीशु को
परमेशवर की
दाहिनी ओर
खड़ा देखा।

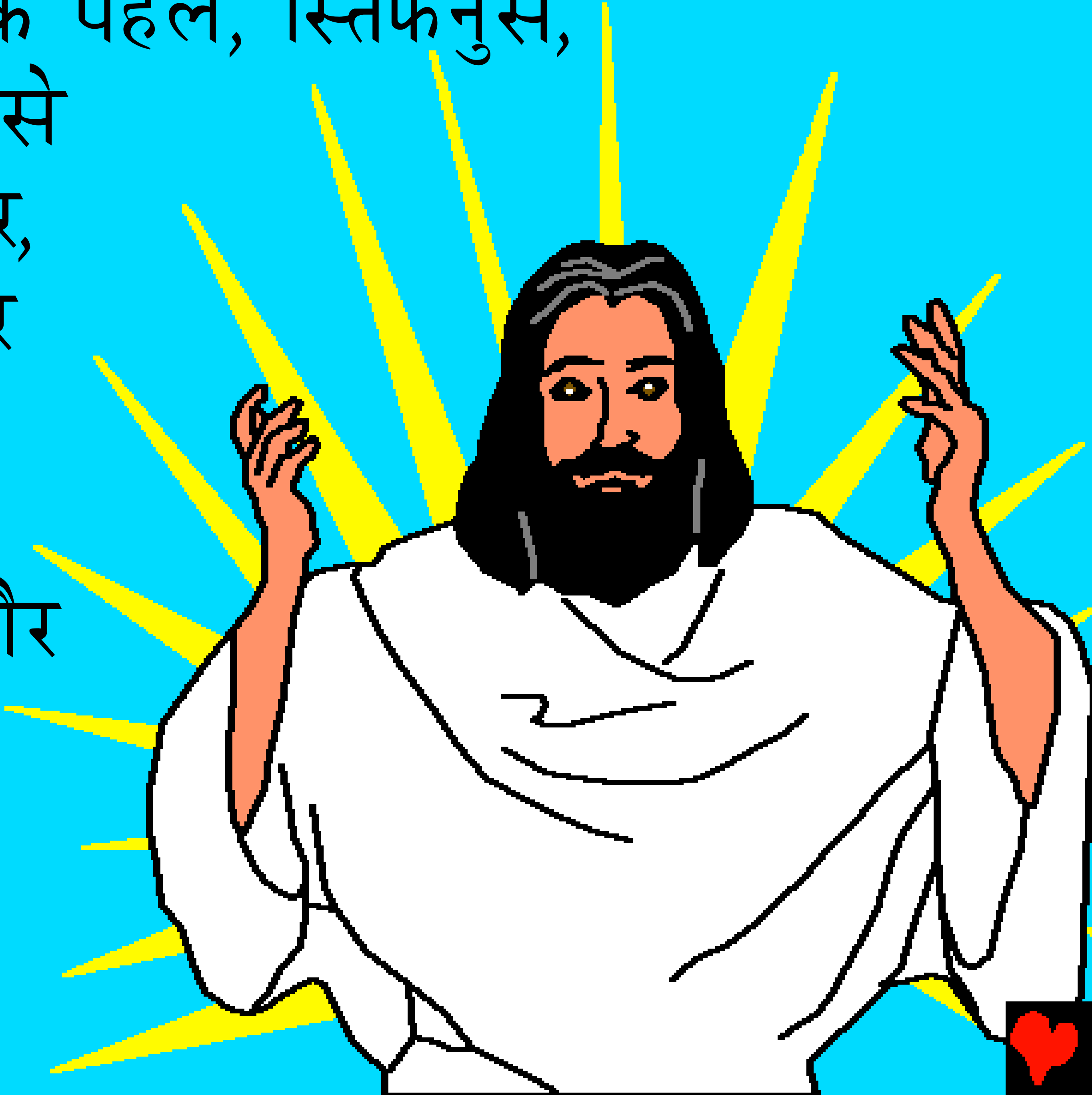

और भीड़ स्तिफनुस को पत्थरवाह करने लगे, लेकिन वह खुदावन्द के नाम को पुकार कर कह रहा था, “प्रभु यीशु मसीह, मेरी आत्मा को ग्रहणा कर ले।”

फिर, जिस प्रकार से यीशु क्रूस पर था, इस बहादुर आदमी ने अपनी अन्तिम सांस से यह प्राथना करी की खुदावन्द उसके हत्यारों को छमा कर देगा।

स्तिफ्नुस की म्रत्यु ने एक’नयी उपद्रव की लहर चालु करी। एक जवान आदमी जिसका नाम शाऊल था, जिसने स्तिफ़नुस के हत्यारों की मदद करी थी, उसने जितने ईसायों को पाया, उनको

गिरफ़्तार कर दिया।

बहुत सारे अपने घरों को छोड़ कर भाग गये ऒार सारे यहुदिया तथा सामरिया मे तित्तर बित्तर हो गये, ऒार खाली शागिर्द ही यरुश्लेम मे रहे।

हालांकि, उनके शत्रुयों ने उनहे मारना चाहा, जो तित्तर बित्तर हो गये थे, उनहोने हर जगह यीशु मसीह का सुसमाचार सुनाया।

यीशु मसीह के शिशयों को कुछ रुकावट नही थी, क्योंकि पवित्र आत्मा उनके अनदर थी, ओर उनके द्वारा काम कर
रही थी।

गिरजे मे झन्झट आयी,

एक कहानी हे, जो परमेशवर के शब्द, ध‘मशास्त्र,

प्रेरितो के काम ४–९

मे पायी जाती हे।

तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता हे।
भजन९९ संहिता ११९:१३०

अन्त